सुविचार

उपकार बुराइयों को दूर करता है, सदाचार की आदत को प्रारंभ करता है और समाज कल्याण और सभ्यता को संपादित करता है।

दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच की सीधी आवाज

वर्ष : 1 | अंक : 1 | पंचकूला। वीरवार, 5 फरवरी 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

संस्कारों की नींव से खड़ा हुआ विश्वास का वटवृक्ष – स्वर्गीय अमरनाथ ग्रोवर एवं स्वर्गीय जनक दुलारी ग्रोवर की प्रेरणादायक विरासत

पंचकूला। किसी भी सफल संस्था की असली ताकत केवल व्यापारिक उपलब्धियाँ नहीं होतीं, बल्कि वह मजबूत संस्कार और पारिवारिक मूल्य होते हैं, जिन पर उसकी नींव रखी जाती है। अमरटेक्स ग्रुप की सफलता के पीछे भी ऐसी ही प्रेरणादायक विरासत जुड़ी हुई है, जिसकी आधारशिला स्वर्गीय श्री अमरनाथ ग्रोवर जी एवं उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती जनक दुलारी ग्रोवर जी ने अपने आशीर्वाद, विश्वास और मूल्यों से रखी।

स्वर्गीय अमरनाथ ग्रोवर जी ने अपने जीवन में ईमानदारी, परिश्रम और पारिवारिक एकता को सर्वोपरि रखा। वहीं स्वर्गीय जनक दुलारी ग्रोवर जी ने परिवार को संस्कार, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना से सशक्त किया। उनके द्वारा दिए गए इन्हीं जीवन मूल्यों ने आने वाली पीढ़ियों को मजबूत दिशा प्रदान की।

इन्हीं प्रेरणाओं से आगे बढ़ते हुए उनके सुपुत्र श्री अरुण ग्रोवर जी ने वर्ष 1984 में पंचकूला की धरती पर अमरटेक्स की शुरुआत की। अमरटेक्स नाम अपने आप में पारिवारिक सम्मान और समर्पण का प्रतीक है, जिसमें ‘अमर’ स्वर्गीय पिता श्री अमरनाथ ग्रोवर जी के नाम से प्रेरित है तथा ‘टेक्स’ को जोड़कर एक नई पहचान दी गई। सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह सफर आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है।

श्री अरुण ग्रोवर जी वर्तमान में मुख्य कार्यकारी एवं सह-संस्थापक, अमरटेक्स समूह। चेयरमैन, पंचकूला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री। सदस्य, हरियाणा उद्योग श्रम-अनुकूल परिषद (हरियाणा सरकार)। संस्थापक, अमरटेक्स अमर प्रयास फाउंडेशन तथा एक प्रेरणादायक नेतृत्व वक्ता के रूप में समाज और उद्योग जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। इस सफर में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता ग्रोवर जी का सहयोग भी सदैव प्रेरणादायक रहा है। परिवार की अगली पीढ़ी के रूप में श्री वरुण ग्रोवर, श्री करण ग्रोवर एवं श्री शिवम ग्रोवर भी इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वों को मजबूती से निभा रहे हैं। आज अमरटेक्स केवल एक व्यापारिक संस्था नहीं, बल्कि समाज सेवा का भी सशक्त केंद्र बन चुका है।

अमरटेक्स अमर प्रयास फाउंडेशन के माध्यम से अमरटेक्स परिसर में प्रतिदिन सैकड़ों जरूरतमंद लोगों के लिए निशुल्क भोजन एवं सेवा कार्य किए जाते हैं, जो स्वर्गीय अमरनाथ ग्रोवर जी एवं स्वर्गीय जनक दुलारी ग्रोवर जी की सेवा भावना का जीवंत उदाहरण है। इसी कड़ी में आज परिवार में खुशियों का विशेष अवसर भी रहा, जब कबीर ग्रोवर एवं प्रशी ग्रोवर का जन्म उत्सव परिवार द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर परिवार द्वारा पंचकूला ऑब्जर्वर डिजिटल न्यूज़ की नई पहल को भी समर्पित किया गया, जिसके माध्यम से पंचकूला, ट्राईसिटी एवं पूरे हरियाणा की सटीक, सकारात्मक और विश्वसनीय खबरें डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए आमजन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। परिवार ने आशा व्यक्त की कि जिस प्रकार समाज ने अमरटेक्स को अपना प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद दिया है, उसी प्रकार पंचकूला ऑब्जर्वर डिजिटल न्यूज़ को भी अपना सहयोग और स्नेह प्रदान करेगा। स्वर्गीय अमरनाथ ग्रोवर जी एवं स्वर्गीय जनक दुलारी ग्रोवर जी की प्रेरणादायक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव मार्गदर्शक बनी रहेगी और समाज सेवा, संस्कार तथा उद्योग के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छूती रहेगी।

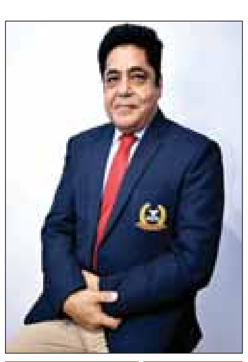

अरूण ग्रोवर।

एमसी कमिश्नर ने बगीचे के रखरखाव में घोर लापरवाही पर की सख्त कार्रवाई

एसडीई (बागवानी) सस्पेंड

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 4 फरवरी। जवाबदेही लागू करने और नागरिक सुविधाओं के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त कदम उठाते हुए, नगर निगम चंडीगढ़ के कमिश्नर श्री अमित कुमार ने रखरखाव में गंभीर कमियों के बाद बागवानी विभाग के एक अधिकारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।

4 फरवरी को शिवालिक गार्डन, मनीमाजरा के निरीक्षण के दौरान, नगर निगम चंडीगढ़ के कमिश्नर ने बगीचे के रखरखाव और समग्र देखभाल में गंभीर कमियां देखीं। सार्वजनिक संपत्ति की स्थिति में घोर लापरवाही और प्रभावी पर्यवेक्षण की कमी दिखी, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने गंभीरता से लिया।

ये कमियां रोहित गर्ग, सहायक अभियंता (एई) के कारण पाई गईं, जो वर्तमान में उस क्षेत्र के लिए उप मंडल अभियंता (एसडीई बागवानी) के रूप में कार्यरत हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए, और केंद्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण

और अपील) नियम, 1965 के नियम 10(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रोहित गर्ग को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। निलंबन की अवधि के दौरान, रोहित गर्ग का मुख्यालय कार्यकारी अभियंता, बागवानी प्रभाग संख्या 1, नगर निगम चंडीगढ़ के कार्यालय में रहेगा, और वे सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। वे संबंधित नियमों और निर्देशों के अनुसार स्वीकार्य निर्वाह भत्ता के हकदार होंगे। निलंबन आदेश अगले आदेश तक लागू रहेगा।

निलंबन के परिणामस्वरूप और क्षेत्र में बागवानी कार्यों और रखरखाव कार्य को निर्बाध रूप से सुनिश्चित करने के लिए, नगर निगम ने अधिकारियों के मौजूदा कर्तव्यों के अलावा निम्नलिखित अस्थायी व्यवस्थाएं की हैं: एसडीई (बागवानी) का अतिरिक्त प्रभार अंग्रेज सिंह, एसडीई (बागवानी) को,

जेई (बागवानी) का अतिरिक्त प्रभार शुभम, जेई (बागवानी) को दिया गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक या निलंबन रद्द होने तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी।

सार्वजनिक संपत्तियों के रखरखाव में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

कमिश्नर, एमसी चंडीगढ़ ने दोहराया है कि सार्वजनिक संपत्तियों के रखरखाव में किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम चंडीगढ़ के नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण नागरिक सेवाएं और अच्छी तरह से बनाए गए सार्वजनिक स्थान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जन्मदिन मुबारक

अमरटैक्स के सीएमडी श्री अरुण ग्रोवर के परिवार में खुशियों का विशेष अवसर रहा। आज उनके पौते कबीर ग्रोवर एवं प्रशी ग्रोवर का जन्म उत्सव परिवार द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर परिवार द्वारा पंचकूला ऑब्जर्वर डिजिटल न्यूज़ की नई पहल को भी समर्पित किया गया, जिसके माध्यम से पंचकूला, ट्राईसिटी एवं पूरे हरियाणा की सटीक, सकारात्मक और विश्वसनीय खबरें डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए आमजन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया।

गांव श्यामटू में आध्यात्मिक प्रवचन एवं भजन संकीर्तन का आयोजन

पंचकूला। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्री शिव मंदिर, गांव श्यामटू, पंचकुला में तीन दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन एवं भजन संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके प्रथम दिवस दिव्य गुरू श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी हिमाक्षी भारती ने कहा कि सर्व सामर्थ्यवान परमात्मा की अंश जीवात्मा जब इस नश्वर मानव तन को धारण करती है तो वह कुछ सीमाओं में बंध जाती है और उसका स्वभाव याचक की तरह होता है जो प्रत्येक कार्य को करने से पहले यह विचार करती है कि इस कार्य के द्वारा उसे क्या प्राप्त होगा।

जीवात्मा का स्वभाव सदा से ही दैवीय गुणों से भरपूर है, लेकिन विडंबना है कि वह दाता की संतान होकर भी एक याचक की तरह जीवन व्यतीत करती है। कभी वह संसार से सुख, संपत्ति, प्रेम, सम्मान एवं यश की याचना करती है तो कभी परमात्मा के आगे इस नश्वर संसार की प्राप्ति हेतु याचना रत हो जाती है।

महिला के कानों से दो सोने के झुमके छीनकर शातिर फरार

चंडीगढ़। यूटी ईस्ट डिविजन के थाना इंडस्ट्रियल एरिया क्षेत्र एरिया के अंतर्गत मंगलवार रात पति के साथ सब्जी लेकर घर जा रही महिला के कानों में पहने दो सोने के झुमके कोई अज्ञात व्यक्ति छीनकर फरार हो गया। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पता चला कि पीड़िता सैक्टर 29 में अपने परिवार सहित रहती है। मंगलवार रात करीब 9 बजे अपने पति के साथ सैक्टर 29 सब्जी मंडी से सब्जी लेने के बाद जब वह घर जा रही थी।

नए मेयर सौरभ जोशी 11 फरवरी को बुलाएंगे कार्यकाल की पहली सदन बैठक

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़, 4 फरवरी। नवनिर्वाचित मेयर सौरभ जोशी ने अपने कार्यकाल की पहली सदन बैठक 11 फरवरी को बुला ली है। यह बैठक वर्ष 2026 की भी पहली सदन बैठक होगी। मंगलवार को इस संबंध में नगर निगम की ओर से बैठक का नोटिस जारी कर दिया गया। पिछला पूरा महीना मेयर चुनाव की प्रक्रिया में निकल जाने के कारण जनवरी में सदन की कोई बैठक नहीं हो सकी थी। इससे पहले दिसंबर माह में अंतिम बार सदन की बैठक आयोजित की गई थी।

हालांकि, नोटिस में यह स्पष्ट नहीं

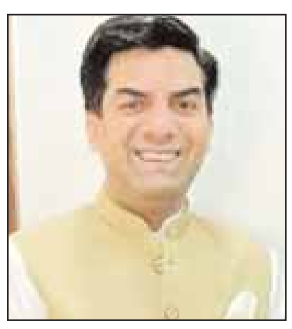

किया गया है कि 11 फरवरी को होने वाली बैठक विशेष रूप से बजट पर आधारित होगी या केवल प्रस्तावों तक सीमित रहेगी। आम तौर पर केंद्र सरकार द्वारा आम बजट पेश किए जाने के बाद नगर निगम अपने बजट सत्र की बैठक बुलाता है।

वित्त एवं अनुबंध समिति पर भी सस्पेंस

इधर, मेयर चुनाव के बाद अब सभी की निगाहें वित्त एवं अनुबंध समिति के गठन पर टिकी हुई हैं। फिलहाल इस समिति को लेकर कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई है, जिसका इंतजार किया जा रहा है। परंपरा के अनुसार, मेयर की अध्यक्षता में वित्त एवं अनुबंध समिति के समक्ष सबसे पहले नगर निगम का प्रस्तावित बजट चर्चा और मंजूरी के लिए लाया जाता है। समिति के गठन की प्रक्रिया में कांग्रेस से एक, जबकि आम आदमी पार्टी और बीजेपी से दो-दो पार्षद नामांकन प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं।

वित्त एवं अनुबंध समिति की अधिसूचना जारी, 5 फरवरी तक दाखिल होंगे नामांकन

चंडीगढ़, 4 फरवरी। नगर निगम की वित्त एवं अनुबंध समिति के गठन को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। समिति के सदस्यों को लेकर तस्वीर 11 फरवरी को होने वाली सदन बैठक के दिन साफ़ हो जाएगी। अधिसूचना के अनुसार, समिति के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 5 फरवरी दोपहर 5 बजे तक तय की गई है। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि समिति निर्विरोध बनेगी या चुनाव कराना पड़ेगा। वित्त एवं अनुबंध समिति मेयर की अध्यक्षता में गठित की जाएगी। तय फार्मूले के अनुसार समिति में–2 पार्षद भाजपा से, 2 पार्षद आम आदमी पार्टी से, 1 पार्षद कांग्रेस से शामिल किए जाएंगे। यदि समिति के लिए पांच से अधिक पार्षद नामांकन दाखिल करते हैं, तो ऐसे में सदन बैठक के दौरान चुनाव कराए जाएंगे।

ऑनलाइन फ्रॉड मामले में लाखों रुपए की ठगी, केस

चंडीगढ़। यूटी साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन फ्रॉड मामले में लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता सैक्टर 40 निवासी दलविंदर ने पुलिस को बताया कि किसी अज्ञात ने उन्हें झांसे में लेते हुए 60 लाख रुपए का ऑनलाइन फ्रॉड कर लिया।

जब उसे मामले के बारे में पता चला कि उसके साथ लाखों रुपए की ठगी हो गई है। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फर्जी एग्रीमेंट बनाकर जमीन हड़पने की साजिश

पंचकूला, 4 फरवरी। पंचकूला पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा, सेक्टर-12 ने पैतृक संपत्ति को हड़पने के उद्देश्य से रची गई एक बड़ी आपराधिक साजिश का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी विरेंद्र शर्मा व आशीष चौधरी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर 2 दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। शिकायतकर्ता दवेश बंसल व रितेश बंसल, निवासी सेक्टर-20 पंचकूला ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनके पिता रामेश्वर दास बंसल की मृत्यु के बाद उन्हें गांव बरवाला, जिला पंचकूला में स्थित लगभग 15 कनाल 2 मरला पैतृक भूमि विरासत में प्राप्त हुई। आरोप है कि कुछ प्रॉपर्टी डीलरों, स्टाम्प वेंडरों एवं अन्य व्यक्तियों ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत फर्जी एग्रीमेंट टू सेल, नकली हस्ताक्षर तथा झूठे पहचान दस्तावेज तैयार कर इस संपत्ति को अवैध रूप से बेचने का प्रयास किया।

जांच में सामने आया कि आरोपियों द्वारा वर्ष 2024 व 2025 में अलग-अलग तिथियों के फर्जी एग्रीमेंट तैयार किए गए, जिनके लिए स्टाम्प पेपर का दुरुपयोग किया गया तथा यहां तक कि नोटरी से तस्दीक भी करवाई गई, ताकि संपत्ति पर अवैध दावा प्रस्तुत किया जा सके। पुलिस जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि न तो शिकायतकर्ताओं के पिता ने अपने जीवनकाल में किसी प्रकार का कोई एग्रीमेंट किया था और न ही उन्हें किसी प्रकार की राशि प्राप्त हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायत पर थाना चंडीमंदिर में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज कर गहन जांच की गई।

मोहित सूद को भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ ट्रेडर सेल का प्रभारी नियुक्त

पंचकूला ऑजर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 4 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ में संगठन को और अधिक सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक निर्णय लिया गया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा की स्वीकृति से एवं सेल एवं डिपार्टमेंट के इंचार्ज शक्ति देवशाली के परामर्श से प्रदेश महामंत्री संजीव राणा ने मोहित सूद को भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ ट्रेडर सेल का प्रभारी नियुक्त किए जाने की घोषणा की।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने कहा कि मोहित सूद की संगठनात्मक दक्षता, व्यापारी वर्ग के साथ मजबूत संवाद और पार्टी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके नेतृत्व में ट्रेडर सेल व्यापारी वर्ग की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को संगठन एवं सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य करेगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि मोहित सूद ट्रेडर सेल को नई ऊर्जा, दिशा और गति प्रदान करेंगे तथा व्यापारी वर्ग को भारतीय जनता पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ परिवार की ओर से मोहित सूद को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

पुण्य कर्म

शिविर में लगभग 70 युवाओं ने स्वेच्छा से रतदान कर मानवता की मिसाल पेश की

अमरटैक्स के सीएमडी श्री अरुण ग्रोवर ने बढ़ाया रक्तदाताओं का हौंसला

पंचकूला ऑजर्वर न्यूज

पंचकूला 4 फरवरी। सेक्टर-11 स्थित कैनम प्लाजा मार्केट में समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। देश प्यार की संस्थापक संपादक स्व. श्रीमती कमलेश मलकानियां की याद में यह शिविर स्माइल फाराएवर, श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट पंचकूला, ब्लड बैंक पीजीआई चंडीगढ़, कमलेश मलकानियां मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट तथा महामाई मनसा देवी चैरिटेबल भंडारा कमेटी के संयुक्त सहयोग से लगाया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, पंचकूला भाजपा जिला प्रधान अजय मित्तल तथा पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में समाजसेवी अमरटैक्स

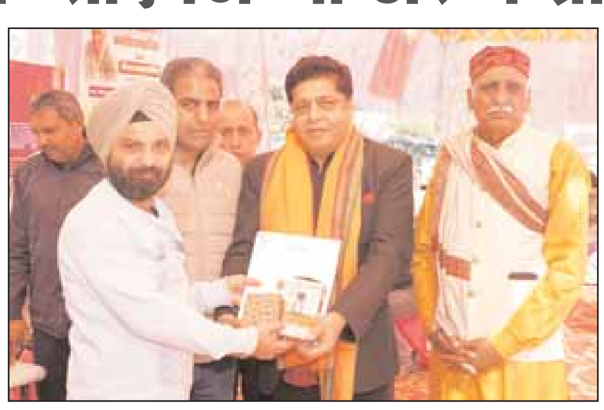

के सीएमडी श्री अरुण ग्रोवर भी विशेष तौर पर पहुंचे और रक्तदाताओं का हौसला ब?ाया। हितैषी फाउंडेशन के चेयरमैन भारत हितैषी, शिरडी साई सेवा समाज के प्रबंधक अनिल थापर, महामाई मनसा देवी चैरिटेबल भंडारा कमेटी के प्रधान अमित जैन, अरविनकेयर के प्रधान अतुल गर्ग, भाजपा महामंत्री जय कौशिक, सुखबीर पूनिया, अजय कुंडलस, मुकेश सिंगला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तरुण भंडारी और ज्ञानचंद गुप्ता ने युवाओं से रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति का यह इंसानी, नैतिक और सामाजिक दायित्व है कि वह समय-समय पर रक्तदान करे, क्योंकि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और यह कई जिंदगियां बचाने में सहायक होता है।

भाजपा जिला प्रधान अजय मित्तल ने कहा कि अपने पूर्वजों को स्मरण करने के लिए रक्तदान से बड़ा कोई कार्य नहीं हो सकता। रक्तदान न केवल जीवनदायी है बल्कि समाज के प्रति हमारी संवेदनशीलता को भी दर्शाता है। वहीं पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल ने इस सराहनीय आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट एवं निफा चंडीगढ़ के डायरेक्टर रमेश नारंग और प्रधान राकेश कुमार संगर ने बताया कि सर्दी के मौसम में अस्पतालों में रक्त एवं रक्त कॉम्पोनेंट्स की कमी को देखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों की सहायता की जा सके, जिनकी जिंदगी रक्त की कमी के कारण संकट में पड़ जाती है। रक्तदान शिविर में लगभग 70 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। शिविर के अंत में स्माइल फाराएवर के प्रधान अजय गुप्ता ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट एवं निफा चंडीगढ़ से एच.एल. सिंगला, एन.एन. पुरी, दिनेश कुमार, रमेश नारंग सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। सभी रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र, स्मृति चिन्ह एवं बेज देकर सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया।

गुरविंदर सिंह हत्या मामले में शामिल दो मुलजिम गिरफ्तार; अपराध में इस्तेमाल किये गये वाहन बरामद

- विदेशी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने अपने साथियों विक्की सत्तेवाला और रवि फरीदकोटिया के साथ मिलकर रची थी अपराध की साजिश: एसएसपी
- तकनीकी जानकारी के आधार पर दोषियों को किया गया गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

एसएएस नगर, 4 फरवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए एस.ए.एस. नगर पुलिस ने मोहाली जिला अदालत परिसर के बाहर हुई गुरविंदर सिंह की हत्या से संबंधित दो मुलजिमों को गिरफ्तार किया है और इस अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए गए वाहन भी बरामद किए हैं। यह जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एस.ए.एस. नगर हरमनदीप हंस ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बलतेज सिंह उर्फ बंटी निवासी गांव टहिणा (फरीदकोट) और मंगत सिंह उर्फ मैक्स निवासी जलालाबाद (फाजिल्का) के रूप में हुई है। बरामद किए गए वाहनों में काला बजाज पल्सर मोटरसाइकिल (पी.बी.-22-डी-5444) और सफेद होंडा अमेज़ कार (यू.पी.-14-सीडी-6847) शामिल हैं, दोनों ही अपराध में इस्तेमाल किए गए थे।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित गुरविंदर सिंह को 28 जनवरी, 2026 को जिला अदालत परिसर, मोहाली के बाहर उनकी पार्क की गई कार के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। उनकी पत्नी, शिकायतकर्ता अमरदीप कौर ने विदेशी गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ की संलिप्तता पर संदेह जताया था, जो कथित तौर पर उनके पति को धमकी दे रहा था।

एसएसपी हरमनदीप हंस ने कहा कि जांच के दौरान सीसीटीवी विश्लेषण से पता चला है कि दो मुलजिम एक काले पल्सर मोटरसाइकिल पर आए, गोलीबारी की और बाद में कपड़े बदलकर सफेद होंडा अमेज़ कार में फरार हो गए। तकनीकी और मानव खुफिया जानकारी के आधार पर यह सामने आया कि अपराध की योजना गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने अपने साथियों विक्की सिंह उर्फ विक्की सत्तेवाला और रवि कुमार उर्फ रवि फरीदकोटिया, जो इस समय विदेश में हैं, की मदद से बनाई थी।

एसएसपी ने आगे कहा कि गिरफ्तार मुलजिमों के खुलासे पर पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किया गया काला बजाज पल्सर मोटरसाइकिल और सफेद होंडा अमेज़ कार बरामद की है।

उन्होंने कहा कि साजिश को पूरी तरह सुलझाने के लिए बाकी साथियों और मास्टरमाइंड की पहचान करने तथा उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस संबंध में बीएनएस की धारा 103(1), 109 और 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 23 दिनांक 28-01-2026 को एसएएस नगर के पुलिस स्टेशन सोहाना में पहले ही दर्ज है।

मजदूरों की भलाई के लिए पंजाब सरकार की पहलकदमियां

मान सरकार ने अपने शासन के दौरान निर्माण मजदूरों को दी विशेष प्राथमिकता

- सौंद बोले- मुख्यमंत्री भगवंत मान की दूरदर्शी अगुवाई में पंजाब विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे वाली संस्थाओं के निर्माण के साथ-साथ उन्हें बनाने वाले मजदूरों का भी कर रहा है सम्मान

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़, 4 फरवरी। पंजाब के निर्माण मजदूर दशकों तक राज्य के सबसे उपेक्षित नागरिक रहे हैं। राज्य की सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और घरों के निर्माण में योगदान देने के बावजूद वे बदहाली और गरीबी का जीवन बीताते रहे। इस वर्ग के लिए कल्याण व्यवस्था ज्यादातर कागजों तक ही सीमित रही। लेकिन अब भगवंत मान सरकार के दौरान उनकी स्थिति में निर्णायक और सकारात्मक बदलाव शुरू हो गया है। इस बदलाव का मुख्य कारण शासन में आए परिवर्तन को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मजदूरों को फॉर्म भरने, दफ्तरों के चक्कर काटने और अनावश्यक देरी के कारण परेशान होने से बचाने के लिए पंजाब सरकार ने सिस्टम का पुनर्गठन किया है। पंजाब बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू), जो राज्य भर में लगभग दो लाख रजिस्टर्ड निर्माण मजदूरों के लिए नोडल एजेंसी है, के बुनियादी ढांचे में सुधार किए गए हैं ताकि कार्य में तेजी, सुचारुता और जवाबदेही लाई जा सके।

पिछली सरकारों ने एक ऐसा सिस्टम छोड़ा था जिसमें कल्याण संबंधी लाभों की प्रक्रिया में औसतन 206 दिन लगते थे। लेबर कार्ड केवल एक साल के लिए वैध होते थे, निर्माण मजदूरों को अक्सर लंबा इंतजार करना पड़ता था और यह भी निश्चित नहीं था कि सहायता कभी मिलेगी भी या नहीं। इसलिए भगवंत मान सरकार को न केवल यह प्रशासनिक देरी मिली, बल्कि पिछली सरकारों द्वारा सालों से की जा रही उपेक्षा और गंभीर देनदारियां भी मिलीं। सिस्टम में कोई प्रयोग या छेड़छाड़ करने के बजाय सरकार ने संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता दी। मजदूरों को अपमानित करने वाली अनावश्यक शर्तों को हटा दिया गया। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है प्रसव लाभ के लिए बाल आधार की शर्त को समाप्त करना। परिवारों से केवल वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए नवजात शिशुओं के लिए आधार की मांग करना न तो उचित था और न ही तर्कसंगत। वह अभ्यास अब खत्म हो गया है, जिससे कल्याण प्रक्रिया में बुनियादी सम्मान बहाल हुआ है।

मानवीय उद्देश्य के लिए लाभकारी तकनीक

पंजाब के सुधारों को अन्य राज्यों से अलग करने वाली बात यह है कि तकनीक केवल अपने उपयोग के लिए नहीं, बल्कि परेशानियों और समस्याओं को कम करने के लिए तैयार की गई है। आवेदन प्रक्रियाओं को, जो पहले 11 चरणों से गुजरती थीं, सरल बनाया गया है। 14 योजनाओं में अनावश्यक मंजूरियों को हटा दिया गया है। विभाग अब आपस में डेटा साझा करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि मजदूरों को अब वे दस्तावेज जमा करने के लिए नहीं कहे जाते जो सरकार के पास पहले से ही मौजूद हैं। पहले निर्माण मजदूरों को फॉर्म जमा करने के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों में जाना पड़ता था और फिर शिक्षा संबंधी लाभों के लिए अलग से आधार सत्यापन करवाना पड़ता था। इससे न केवल रोजाना का आर्थिक नुकसान होता था बल्कि एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर के चक्कर भी लगाने पड़ते थे। अब, क्योंकि पूरा सिस्टम ऑनलाइन और तकनीक-संचालित है, इसलिए मजदूरों या उनके परिवारों को आधार सत्यापन या लिंकेज के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। एक बार मूल विवरण जमा हो जाने के बाद प्रक्रिया अपने आप चलती रहती है, जिससे समय और पैसे की बचत होती है और अनावश्यक परेशानी भी कम होती है। इसी तरह स्वास्थ्य बीमा लाभ, जो अब 10 लाख तक बढ़ाए गए हैं, बिना कागजी कार्रवाई के अस्पतालों में आपात स्थिति के दौरान निर्बाध इलाज सुनिश्चित करते हैं।

प्रत्यक्ष परिणाम, कोई बयानबाजी नहीं

इन सुधारों के परिणाम ठोस हैं। लाभों के लिए औसत प्रक्रिया समय 64 प्रतिशत 203 दिनों से घटकर 73 दिन रह गया है, जिसमें 45 दिन और कम करने का विचार है। कल्याण वितरण में 67 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2020-21 में 93 करोड़ से बढ़कर 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों में 125 करोड़ हो गया है और वित्तीय वर्ष के अंत तक 150 करोड़ को पार करने का अनुमान है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस साल 81,000 निर्माण मजदूरों को पहले ही लाभ मिल चुका है, जो पहले की संख्या से लगभग तीन गुना है। ये आंकड़े प्रत्यक्ष बदलाव दर्शाते हैं- स्कूल फीस का समय पर भुगतान, बिना कर्ज के मेडिकल इमरजेंसी सुविधाओं की उपलब्धता, विवाह के लिए शगन सहायता के माध्यम से सम्मान बहाल करना और नवजात कन्याओं के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट के माध्यम से परिवारों के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा।

श्रम का सम्मान करने वाला शासन

हाल ही में हुई ''किरत'' कॉन्फ्रेंस ने इस पहुंच में आए बदलाव को उजागर किया, जो बीओसीडब्ल्यू हैंडबुक के लॉन्च के माध्यम से सुधारों को एकजुट करने और क्षेत्रीय स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में काम करती है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह घोषणाओं पर निर्भर रहने के बजाय सरकार के कल्याण प्रदान करने के इरादों को दर्शाती है। सुधारों के बारे में बोलते हुए श्रम मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने जोर देकर कहा, ''मुख्यमंत्री भगवंत मान की दूरदर्शी अगुवाई में पंजाब न केवल स्कूल, अस्पताल, सड़कें आदि बना रहा है जो विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें बनाने वाले मजदूरों को भी सम्मान दिया जा रहा है। ये सभी बड़े सुधार निर्माण मजदूरों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। मैं सभी निर्माण मजदूरों से अपील करना चाहता हूं कि वे पंजाब बीओसीडब्ल्यू बोर्ड में नाम दर्ज करवाएं और विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं।'' पंजाब के सुधारों को देश के अन्य हिस्सों के लिए भी एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे समय में जब कई राज्यों और यहां तक कि राष्ट्रीय स्तर पर भी मजदूर कल्याण और मजदूर अधिकारों को नजरअंदाज किया जा रहा है, पंजाब ने श्रम कल्याण को प्राथमिकता दी है। निर्माण मजदूरों की जरूरतों को प्राथमिकता देकर और उन्हें समय पर लाभ पहुंचाने को सुनिश्चित करके, पंजाब अन्य राज्यों और देश के लिए मिसाल कायम कर रहा है। एक ऐसे युग में जहां कल्याण अक्सर बयानबाजी और नारों तक ही सीमित रहता है, वहां पंजाब के निर्माण मजदूरों के सुधार अपनी गंभीरता, पैमाने और परिणामों के लिए अलग हैं। मजदूरों के साथ विश्वास और सम्मान के साथ पेश आकर राज्य ने दिखाया है कि कल्याण कोई दान नहीं, बल्कि मजदूरों का हक है।

आरटीआई आयोग ने पीआईओ-कम-असिस्टेंट टाउन प्लानर के खिलाफ वारंट जारी

चंडीगढ़, 4 फरवरी। पंजाब राज्य सूचना आयोग ने एक मामले की सुनवाई के दौरान म्यूंसिपल कॉर्पोरेशन लुधियाना की बिल्डिंग ब्रांच जोन 'डी' के पी.आई.ओ. कम असिस्टेंट टाउन प्लानर के खिलाफ वारंट जारी किए हैं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य सूचना आयोग के आयुक्त हरप्रीत सिंह संधू ने बताया कि जसवीर सिंह, निवासी गुरु नानक नगर, गांव भोलापुर झब्बेवाल, जिला लुधियाना द्वारा दायर अपील केस नंबर- 6157 ऑफ 2023 में लुधियाना की बिल्डिंग ब्रांच जोन डी के पी.आई.ओ. कम असिस्टेंट टाउन प्लानर कुलजीत सिंह मांगट के खिलाफ आयोग द्वारा 11 मार्च, 2025 को आयोग परिसर में पेश होने के वारंट जारी किए गए हैं।

श्री हरप्रीत सिंह संधू ने बताया कि कुलजीत सिंह मांगट इस मामले में अब तक हुई 4 सुनवाइयों के मौके पर आयोग की हिदायतों के बावजूद गैर-हाजिर रहे, जिस संबंध में आयोग द्वारा कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि अब इस मामले में आयोग द्वारा आर.टी.आई. एक्ट 2005 की धारा 18 (3) (ए) के तहत पुलिस आयुक्त, लुधियाना को आदेश जारी किया गया है कि वे कुलजीत सिंह मांगट, पी.आई.ओ. कम असिस्टेंट टाउन प्लानर को इन वारंट की प्रति तामील करवाएं और केस की अगली तारीख 11 मार्च, 2026 को आयोग के समक्ष पेश होने की हिदायत जारी करें।

एंटी-ड्रोन सिस्टम ने तरनतारन में 4 किलो हेरोइन से भरे ड्रोन किए बेअसर

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

तरनतारन, 4 फरवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए तरन तारन पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) के साथ संयुक्त ऑपरेशन के तहत सरहदी चौकी (बी.ओ.पी.) कालियां के निकट खेतों से 3.925 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी। हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने एक डीजेआइ मैट्रिस ड्रोन भी बरामद किया है,

जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा सीमा पार से खेप भेजने के लिए किया गया था। यह उन्नत तकनीक के माध्यम से सीमा पार तस्करी की कोशिशों की ओर इशारा करता है। डीजीपी ने कहा कि सीमा पार के हैंडलरों की पहचान करने, सप्लाई रूटों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क को नष्ट करने के लिए जांच की जा रही है।

ऑपरेशन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए तरन तारन के सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट सुरेंद्र लांबा ने बताया कि पंजाब सरकार के 'बाज अख' एंटी-ड्रोन सिस्टम ने सरहदी चौकी (बी.ओ.पी.) कालियां के निकट ड्रोन की गतिविधियों का पता लगाया था। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने बी.एस.एफ. को सूचित किया और संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप हेरोइन से भरे ड्रोन को बेअसर किया गया, जिसे बाद में खेतों से बरामद किया गया। एस.एस.पी. ने कहा कि जिन लोगों को यह हेरोइन की खेप प्राप्त करनी थी, उनकी पहचान के लिए जांच जारी है। इस संबंध में एफआईआर नंबर 20 दिनांक 3/2/2026 को तरनतारन के पुलिस थाना वलटोहा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 सी तथा भारतीय वायुयान अधिनियम की धारा 25, 26 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एस.सी. कमीशन ने नाबालिग लड़की के साथ मारपीट करने के मामले में सू-मोटो नोटिस लिया

चंडीगढ़, 04 फरवरी। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन श्री जसवीर सिंह गढ़ी ने श्री मुक्तसर साहिब जिले में एक अनुसूचित जाति से संबंधित नाबालिग लड़की के साथ मारपीट के मामले में स्वतः संज्ञान (सू-मोटो नोटिस) लिया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी के ध्यान में एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के माध्यम से आया है।

उन्होंने बताया कि आयोग ने पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग एक्ट 2004 की धारा 10 के (2) (एच) के तहत इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस कप्तान श्री मुक्तसर साहिब से इस मामले संबंधी जानकारी उप-कप्तान पुलिस के माध्यम से आयोग के कार्यालय में दिनांक 10 फरवरी, 2026 तक तलब की गई है।

'गैंगस्टरां ते वार' का 16वां दिन: 689 स्थानों पर छापेमारी; 232 गिरफ्तार

- पुलिस टीमों ने 153 व्यक्तियों के खिलाफ की एहतियातन कार्रवाई, 352 को पूछताछ के बाद रिहा किया
- लोग गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से दे सकते हैं गैंगस्टरों की जानकारी

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़, 4 फरवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरां ते वार' को 16वें दिन भी जारी रखते हुए पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिह्नित और मैप किए गए 689 ठिकानों पर छापेमारी की।

जानकारी के अनुसार, 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग है, जिसकी शुरुआत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) पंजाब के पूर्ण समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ कर रही हैं।

मुहिम के 16वें दिन पुलिस टीमों ने 232 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से दो तेजधार हथियार बरामद किए। इस प्रकार मुहिम की शुरुआत से अब तक कुल 4,628 गिरफ्तारियाँ की जा चुकी हैं।

इसके अलावा, 153 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 352 व्यक्तियों को तफ्तीश और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 12 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया है।

उन्होंने कहा कि लोग गुप्त रूप से वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर-93946-93946 के माध्यम से रिपोर्ट कर सकते हैं और किसी भी प्रकार के अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों की सूचना/जानकारी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 340वें दिन भी जारी रखा, जिसके तहत आज 135 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 8.1 किलोग्राम हेरोइन, 2 किलोग्राम अफीम, 804 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 10,750 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।

साथ ही, मात्र 340 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 47,634 हो गई है। नशा छुड़ाने की मुहिम के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 23 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

अमृतसर में नशा तस्करी मॉड्यूल से जुड़े चार व्यक्ति 5 किलो हेरोइन सहित काबू

- गिरफ्तार किए गए मुलजिम सीधे तौर पर पाकिस्तान आधारित तस्कर से जुड़े हुए थे: डीजीपी गौरव यादव
- अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

अमृतसर, 4 फरवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सीमा

पार से नशा तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है और उनके कब्जे से 5 किलो हेरोइन बरामद की है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुखचैन सिंह उर्फ मनी, नवदीप सिंह, सुखपाल सिंह और आकाशदीप सिंह के रूप में हुई है। ये सभी निवासी गांव दाओके, अमृतसर के हैं। हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उनके दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी02इयू7751 और पीबी02डीवाइ9343) भी जब्त कर लिए हैं, जिनका उपयोग नशीले पदार्थों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार मुलजिम सीधे तौर पर पाकिस्तान आधारित तस्कर से जुड़े हुए थे, जो अपने गांव दाओके के आसपास सीमा पार से ड्रोन के जरिए हेरोइन की खेप पहुंचा रहे थे ताकि राज्य में आगे इसकी सप्लाई की जा सके। इस कार्रवाई के संबंध में विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सीआई अमृतसर को एक विशेष सूचना मिली थी कि मुलजिम सुखचैन सिंह उर्फ मनी अपने साथियों की मदद से राज्य में नशा तस्करी का मॉड्यूल चला रहा है और उन्हें हाल ही में ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन की एक बड़ी खेप मिली है, जिसे वे अमृतसर के गांव काला घनूपुर के नजदीक सदा गांव में दूसरी पार्टियों को पहुंचाने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने सदा गांव अमृतसर के नजदीक बाईपास रोड पर नाका लगाया और चारों संदिग्धों को रोक लिया तथा उनके कब्जे से हेरोइन की खेप बरामद की। डीजीपी ने कहा कि नेटवर्क के अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इस संबंध में मामला थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के तहत एफआईआर नंबर 5 दिनांक 04-02-2026 को दर्ज किया गया है।

शहरी स्थानीय निकायों में तेज़ मंजूरियां, विकेंद्रीकृत निर्णय और मिशन-मोड विकास: संजीव अरोड़ा

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़, 4 फरवरी। पंजाब सरकार ने राज्यभर में शहरी विकास कार्यों को गति देने, पारदर्शिता बढ़ाने और समयबद्ध निर्णय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबीज़) में व्यापक प्रशासनिक, वित्तीय और संरचनात्मक सुधार लागू किए हैं। यह जानकारी पंजाब के स्थानीय निकाय, उद्योग एवं वाणिज्य, बिजली तथा निवेश प्रोत्साहन संबंधी कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने यूएलबीज़ के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान दी।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लंबे समय से प्रस्तावों और मंजूरियों के लंबित रहने के कारण शहरी विकास और नागरिक सेवाओं की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो रही थी। माननीय राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और माननीय मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में

राज्य सरकार ने इस चुनौती से निपटने के लिए सुधार-आधारित, विकेंद्रीकृत और जवाबदेही-केंद्रित प्रशासनिक ढांचा अपनाया है। इसके तहत दैनिक निगरानी, व्यवस्थागत पुनर्गठन और सख्त समय-सीमाएं तय की गई हैं। इन सुधारों के ठोस परिणाम सामने आए हैं। पिछले तीन सप्ताह में 1100 लंबित प्रस्तावों में से 900 को मंजूरी देकर वर्षों से चला आ रहा बैकलॉग लगभग समाप्त कर दिया गया है। इनमें कुछ प्रस्ताव वर्ष 2018 से लंबित थे। शेष मामलों को भी प्रक्रिया के तहत शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रक्रियाओं को संस्थागत रूप देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने 1 फरवरी 2026 से 'ई-निगम' सॉफ्टवेयर लागू किया है। इसके माध्यम से सभी यूएलबीज़ में प्रस्तावों की ऑनलाइन प्रोसेसिंग सुनिश्चित की जाएगी। यह पहल कागजी प्रक्रियाओं से मुक्ति दिलाने के साथ-साथ कार्यों में गति, पारदर्शिता, ट्रेसेबिलिटी और अधिकारियों की जवाबदेही को मजबूत करेगी। भविष्य में पेंडेंसी रोकने के लिए प्रक्रियागत सरलीकरण और विकेंद्रीकरण को और गहरा किया जा रहा है।

अमृत 2.0 और एसबीएम (शहरी) 2.0 के तहत आधारभूत ढांचा

अमृत 2.0 योजना के तहत भूजल पर निर्भरता कम कर नहर आधारित जल आपूर्ति प्रणाली लागू की जा रही है। वर्तमान में 90 कस्बों में 609 एमएलडी क्षमता वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट कार्यशील हैं, जो 148 कस्बों में 100 प्रतिशत जल आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। इसके अलावा 3,626 करोड़ रुपये की लागत से 87 एमएलडी क्षमता वाले चार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। एसबीएम (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 56 कस्बों में 213 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी विकसित किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत 1,647 करोड़ रुपये की लागत से 730 सीवर सफाई मशीनें खरीदी जा चुकी हैं। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि ये सभी सुधार पंजाब में शहरी शासन के व्यापक परिवर्तन का हिस्सा हैं। सरकार का फोकस तेज़ सुपुर्दगी, पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और नागरिक सेवाओं में प्रत्यक्ष, सकारात्मक बदलाव पर केंद्रित है।

इंजीनियरिंग काडर और क्षेत्रीय ढांचे का पुनर्गठन

शहरी स्थानीय निकायों के इंजीनियरिंग ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पूरे राज्य को छह क्षेत्रों—अमृतसर, बठिंडा, फिरोजपुर, जालंधर, लुधियाना और पटियाला—में पुनर्गठित किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक मुख्य इंजीनियर नियुक्त किया गया है, जो नगर निगमों और नगर काउंसिलों के बी एंड आर तथा ओ एंड एम कार्यों की निगरानी करेगा। प्रत्येक क्षेत्र में एक सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर और प्रत्येक जिले में एक सब-डिविजनल इंजीनियर की तैनाती की गई है। इस तर्कसंगत पुनर्गठन का उद्देश्य बेहतर समन्वय, सशक्त क्षेत्रीय निगरानी और परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

मिशन-मोड में सीवर लाइन सफाई

सीवर लाइनों की समयबद्ध और सुरक्षित सफाई के लिए रेट कॉन्ट्रैक्ट प्रणाली के तहत टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है। अब तक 161 शहरी स्थानीय निकायों के लिए यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पांच प्रमुख नगर निगमों—अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, बठिंडा और पटियाला—के लिए टेंडरिंग अंतिम चरण में है और छह एजेंसियों को सूचीबद्ध किया गया है। नगर काउंसिलों को बार-बार टेंडर प्रक्रिया से राहत देते हुए पहले से अनुमोदित ठेकेदारों के माध्यम से कार्य करवाने की व्यवस्था की गई है। यूनिट दरें तय कर वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित किया गया है। ये सभी कॉन्ट्रैक्ट मानसून से पहले सीवर लाइनों की मिशन-मोड सफाई को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। 'एक शहर, एक संचालक' योजना के तहत नगर निगमों के लिए टेंडर जारी किए जा चुके हैं और शीघ्र ही कार्य शुरू होगा।

वित्तीय शक्तियों में वृद्धि, तेज़ परियोजना मंजूरियाँ

फील्ड स्तर पर विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को तेज़ करने के लिए वित्तीय मंजूरी संबंधी शक्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। अब सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर (एसई) 2 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को मंजूरी दे सकेंगे, जो पहले 1 करोड़ रुपये तक सीमित थी। इसी तरह मुख्य इंजीनियरों (सीई) की वित्तीय शक्ति 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दी गई है। इसके अतिरिक्त मुख्य कार्यालय स्तर पर मुख्य इंजीनियरों की दो समितियों का गठन किया गया है, ताकि निर्णय-प्रक्रिया में आने वाली अड़चनों को दूर किया जा सके और जीरो पेंडेंसी सुनिश्चित हो। पहले एक ही समिति के कारण देरी होती थी। कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यूएलबीज़ से जुड़े सभी प्रस्ताव, तकनीकी मंजूरियाँ और सिफारिशें अधिकतम 10 कार्यकारी दिनों के भीतर निपटाई जाएंगी।

बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित भारत की तस्वीर पेश करता है : सीएम नायब सैनी

- 16वें वित्त आयोग की अवधि में हरियाणा को करीब एक लाख करोड़ रुपये केंद्रीय करों से प्राप्त होंगे
- केंद्रीय बजट से हरियाणा को मिलने वाले लाभ के पहलुओं को मुख्यमंत्री ने रखा सामने

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़, 4 फरवरी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही 3.0 केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेश किया गया दूसरा बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह उस भारत की तस्वीर पेश करता है जो आत्मनिर्भर है, प्रतिस्पर्धी है और सामाजिक रूप से संवेदनशील भी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट 'विकास भी, विश्वास भी' के सिद्धांत पर आधारित है और हरियाणा जैसे अग्रणी राज्य के लिए इसमें अपार अवसर निहित हैं।

मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा निवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान केंद्रीय बजट 2026ङ्क27 की भावना, दिशा और उसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपनी बात रखते हुए केंद्र सरकार के बजट का हरियाणा पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रभावों को भी बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह बजट उस भारत की सोच को दर्शाता है, जहां विकास का मतलब केवल बड़े शहर नहीं, बल्कि गांव, किसान, महिला, युवा और श्रमिक भी हैं। जहां, अर्थव्यवस्था मजबूत हो, लेकिन समाज का अंतिम व्यक्ति भी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे। उन्होंने कहा कि इस बजट में विकसित भारत के स्तंभ गरीब, युवा, महिला और किसान को केंद्र में रखा गया है। और यही प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारी विकास नीति का भी मूल मंत्र है। इस बजट का मूल उद्देश्य है, संदेह के स्थान पर एक्शन, दिखावे के स्थान पर सुधार और लोक-लुभावन घोषणाओं के स्थान पर जनहित को प्राथमिकता। सरकार ने इस बजट में लगभग 7 प्रतिशत की उच्च आर्थिक विकास दर को लक्ष्य बनाते हुए राजकोषीय अनुशासन और सामाजिक न्याय, दोनों के बीच संतुलन साधा है।

युवाओं के लिए विशेष योजना बनाई गई है : उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए क्या है? इस पर बड़ी चर्चा हो रही है। केंद्र सरकार हमारे युवाओं को देश की सबसे बड़ी पूंजी मानती है। युवा कौशल विकास व शिक्षा क्षेत्र के लिए 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। देश के 1 लाख 50 हजार से अधिक युवाओं को नई उम्र की स्किल्स का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसलिए, केंद्रीय बजट में कौशल विकास, रोजगार और भविष्य की तकनीकों के लिए 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बायोटेक और साइबर सिक्योरिटी जैसी तकनीकों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का विशेष फंड रखा गया है। इसका सीधा लाभ गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और रोहतक जैसे शैक्षणिक व तकनीकी केंद्रों को मिलेगा, जहां हमारे युवा विश्व-स्तरीय अति-आधुनिक कौशल सीखकर उच्च-आय रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के लिए भी 7,500 करोड़ रुपये के प्रावधान से हरियाणा का स्टार्टअप इकोसिस्टम और मजबूत होगा। इससे प्रदेश में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और हमारा युवा रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनेगा।

उन्होंने कहा कि आज हरियाणा भारत में स्टार्टअप की संख्या में चौथे ब? राज्य के रूप में उभरा है। वर्तमान में, हरियाणा में 9,100 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स हैं। प्रदेश में 19 यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। इसके अलावा, 250 से अधिक फॉर्च्यून-500 कंपनियां भी यहां हैं। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक खुशी की बात यह है कि लगभग 50 प्रतिशत स्टार्टअप महिलाएं चला रही हैं। प्रदेश सरकार ने ने अगले चरण में स्टार्टअप्स में महिलाओं की भागीदारी ब?ाकर 60 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। यही नहीं, सरकार नीति आयोग के साथ मिलकर 'विमेन आंत्रप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म' का एक 'स्टेट चैप्टर' स्थापित कर रहे हैं। इससे महिला उद्यमियों को 700 से अधिक मेंटर्स, विशेष प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, बाजार तक पहुंच और इन्क्यूबेशन सहयोग प्राप्त होगा। सरकार ने हरियाणा में 'हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति-2022' लागू की है। प्रदेश सरकार स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 2 हजार करो? रुपये का फंड ऑफ फंड्स स्थापित करवाने जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता' को जोड़ने के लिए उच्चस्तरीय स्थायी समिति का गठन किया गया है। डिजिटल और क्रिएटिव अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए देशभर के 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों और 500 महाविद्यालयों में एवीजीसी (ङ्कत्रष्ट) कंटेंट क्रिएटर लैब्स स्थापित की जाएंगी। आईटी सेवाओं के क्षेत्र में सुरक्षित मार्जिन सीमा को 300 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,000 करोड़ रुपये किया गया है। इससे बड़ी संख्या में युवाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि खेलों के क्षेत्र में 'खेलो इंडिया मिशन' को एकीकृत प्रतिभा विकास मार्ग के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें वैज्ञानिक प्रशिक्षण, आधुनिक खेल अवसंरचना और तकनीक का समावेश होगा। हरियाणा की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा है और यह बजट इस युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल, तकनीक और रोजगार से जोड़ने का स्पष्ट रोडमैप देता है। महिलाओं और गरीब वर्ग के लिए यह बजट सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण का बजट है। सरकार ने महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों के केंद्र में लाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक स्तर पर उद्यमिता हाट के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, पोषण और आय-सहायता योजनाओं के लिए 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट रखा गया है।

12 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया पूंजीगत व्यय

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेश किए गए बजट में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को लगभग 12 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है। यह निवेश सड़कों, रेल, शहरी अवसंरचना, औद्योगिक कॉरिडोर और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करेगा। इसका सीधा लाभ हरियाणा को मिलेगा, क्योंकि हमारा राज्य दिल्ली-एनसीआर, औद्योगिक गलियारों और राष्ट्रीय राजमार्गों का केंद्र है। इस निवेश से न केवल विकास कार्य तेज़ होंगे, बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

पानीपत की जुवेनाईल बोर्ड ने किया सुधारात्मक फैसला, बाल न्याय की भावना को मिलेगा बल

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज़

पानीपत, 4 फरवरी। पानीपत जुवेनाईल कोर्ट द्वारा बाल न्याय की भावना को मजबूत करने वाला एक सुधारात्मक फैसला सुनाया गया है जोकि एक सराहनीय कदम है।

जुवेनाईल जस्टिस बोर्ड के प्रिंसीपल मैजिस्ट्रेट पुनित लिम्बा, सदस्य आशिमा कौशिक और अशोक कुमार ने अपने फैसले में दर्शाया कि किशोर अवस्था में की गई गलतियों को आजीवन अपराध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि उन्हें सुधार, शिक्षा और मार्गदर्शन के माध्यम से एक बेहतर नागरिक बनने का अवसर दिया जाना चाहिए। जुवेनाईल जस्टिस बोर्ड के प्रिंसीपल मैजिस्ट्रेट पुनित लिम्बा ने 2023 के मर्डर केस में जिला के ही अहर गांव के नाबालिक (15 वर्ष) को जीवन सुधार का मौका देते हुए उसे प्रोबेशन बॉंड पर रिफोर्म करने के निर्देश दिए हैं।

इस ऐवज में इसके सामाजिक व्यवहार, चाल-चलन और आचरण पर पूर्ण रूप से नजर रखी जाएगी। यह नाबालिक पहले ही अण्डर गोन एक साल 6 महीने 18 दिन की सजा काट चुका है। इस नाबालिक ने एक महिला और उसके दूसरे साथी की मर्डर करने में सहायता की थी। जिसमें उक्त महिला ने अपने मित्र के साथ मिलकर अपने पति का मर्डर किया था।

जुवेनाईल जस्टिर बोर्ड ने कहा कि कुछ नाबालिक गलत संगत में पड़कर आसामाजिक तत्वों के साथ मिलकर गलत काम करते हैं और इसका खामियाजा उन्हें जेल में जाकर भुगतना पड़ता है जिससे उनकी पढ़ाई के साथ-साथ उसका पूरा जीवन भी बर्बाद होता है। इस प्रकार के सुधारात्मक निर्णय ना केवल सम्बंधित बालक के भविष्य को सुधारते हैं बल्कि समाज में मानवीय दृष्टिकोण को भी बढ़ावा देते हैं। जुवेनाईल कोर्ट का यह कदम न्यायप्रणाली में संवेदनशीलता, करूणा और सुधार की भावना को सशक्त करता है।

भगवान के वराह अवतार और ध्रुव की अटूट भक्ति से भावविभोर हुए श्रद्धालु अहंकार का त्याग ही ईश्वर की प्राप्ति : धर्मपाल शास्त्री

श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के तीसरे दिन आज भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज़

नरवाना 4 फरवरी। कथा व्यास धर्मपाल शास्त्री जी ने आज की कथा का शुभारंभ करते हुए भगवान विष्णु के तृतीय अवतार, वराह अवतार का मार्मिक प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि जब दैत्य हिरण्याक्ष ने पृथ्वी को ले जाकर रसातल समुद्र की गहराइयों में छिपा दिया था, तब सृष्टि की रक्षा के लिए भगवान ने वराह रूप धारण किया और हिरण्याक्ष का वध कर पृथ्वी को अपने दांतों पर उठाकर पुनः स्थापित किया। व्यास पीठ से कथावाचक ने कहा कि यह प्रसंग हमें सिखाता है कि जब-जब धर्म पर संकट आता है और मानवता संकट में होती है, तब-तब ईश्वर किसी न किसी रूप में अवतरित होकर अधर्म का विनाश करते हैं। ध्रुव चरित्र संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा कल की कथा का मुख्य आकर्षण बालक ध्रुव का प्रसंग रहा। कथा व्यास ने बताया कि मात्र पांच वर्ष की अल्पायु में ध्रुव ने अपनी सौतेली माता सुरुचि के कटु वचनों से आहत होकर वन की ओर प्रस्थान किया। नारद जी के उपदेश से उन्होंने ओम नमो भगवते वासुदेवाय% मंत्र का जप किया और अपनी कठोर तपस्या से भगवान नारायण को प्रकट होने पर विवश कर दिया ध्रुव की कथा हमें सिखाती है कि यदि संकल्प दृ? हो और लक्ष्य के प्रति समर्पण सच्चा हो, तो परमात्मा को भी पाया जा सकता है। भक्ति के लिए आयु या अवस्था बाधा नहीं है, केवल शुद्ध हृदय की आवश्यकता है।

कपिल मुनि का सांख्य योग और ज? भरत प्रसंग कथा के मध्य में भगवान कपिल देव के अवतार और माता देवहूति को दिए गए सांख्य योग के उपदेशों पर चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि मनुष्य को आसक्ति का त्याग कर भक्ति मार्ग पर चलना चाहिए। इसके पश्चात ज? भरत के प्रसंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को बताया गया कि मोह-माया किस प्रकार मनुष्य के पतन का कारण बनती है और कैसे मृग के मोह में प?ने के कारण भरत को अगला जन्म मृग के रूप में लेना प?ा। संध्या काल में जब भक्त प्रहलाद और भगवान नृसिंह के अवतार की कथा सुनाई गई, तो पूरा पंडाल %जय श्री नृसिंह% के जयकारों से गुंजायमान हो गया। प्रहलाद की रक्षा के लिए खंभे से भगवान का प्रकट होना और हिरण्यकश्यप का वध करने के प्रसंग ने भक्तों को भाव-विभोर कर दिया।

आज का विशेष आकर्षण~ कृष्ण जन्मोत्सव महंत अजय गिरी जी महाराज ने बताया कि कल कथा मेंभगवान श्री कृष्ण के भव्य प्राकट्य उत्सव नंदोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आज की कथा में भगवान के जन्म की बधाई गाई जाएगी और छप्पन भोग व फूलों की होली का विशेष आकर्षण रहेगा। इस दौरान पंडित विकास पुजारी, बंटी शर्मा, कर्मवीर सैनी,राजेंद्र सिंगला व अन्य लोग मौजूद रहे।

अवैध हथियार सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़, हथियार सप्लायर काबू

पंचकूला। क्राइम ब्रांच सेक्टर-19 ने अवैध हथियारों की तस्करी के एक संगठित नेटवर्क का सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया है। पुलिस ने हथियार सप्लायर मोहम्मद अकरम को गिरफ्तार कर न्यायालय से 2 दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। 4 सितंबर 2025 को दर्ज मामले में क्राइम ब्रांच टीम ने कालका क्षेत्र में गश्त के दौरान एक फार्च्यूनर गाड़ी को नाकाबंदी कर रोका, जिसमें सवार आरोपियों अब्दुल और गुरमेल उर्फ अमन के कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा और कुल तीन जिंदा कारतूस बरामद किए।

पूछताछ और तफ्तीश के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि यह अवैध हथियार उन्हें मोहम्मद अकरम, निवासी गांव इस्लामनगर, थाना पिंजौर से लिये थे। इसी आधार पर आरोपी मोहम्मद अकरम को 2 फरवरी को गिरफ्तार किया गया। मामले से जुड़े अन्य हथियार तस्करों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पंचकूला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों और अवैध हथियारों के कारोबार में लिप्त तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस ने दिसंबर माह में 15937 चालान कर लगाया 3 करोड़ 96 लाख 34 हजार 900 रुपए का जुर्माना : विश्राम मीणा

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज़

कुरुक्षेत्र, 4 फरवरी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की सख्ती से पालना करवाने के लिए पुलिस प्रशासन दिन-रात मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। जिसके फलस्वरूप पुलिस ने दिसंबर-2025 में कुल 15937 चालान किए गए और इसके तहत 3 करोड़ 96 लाख 34 हजार 900 रुपए का जुर्माना भी किया गया। इतना ही नहीं ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने पर 14 स्कूल बसों के भी चालान किए गए है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की पालना करवाने के लिए कुरुक्षेत्र जिले को विभिन्न जोन में विभाजित किया गया जिसमें ईस्ट, वेस्ट और हाईवे शामिल है। इन जोनों में यातायात पुलिस की पीसीआर, राइडर व अन्य यातायात पुलिस दिन-रात कार्य कर रही है। उन्होंने

कहा कि पुलिस ने कुल 15937 चालान किए है और इन वाहन चालकों पर 3 करोड़ 96 लाख 34 हजार 900 रुपए का जुर्माना किया है। इन चालान में हेलमेट, सीट बेल्ट और अन्य तरह के चालान शामिल है। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस ने ओवर स्पीड के 9988 चालान, बिना हेलमेट के 1343 चालान, बिना सीट बेल्ट के 34 चालान, गाड़ी चलाते हुए मोबाइल का प्रयोग करने पर 07 चालान, शराब पीकर गाड़ी चलाने पर 95 चालान, लैन चेंज के 1673 चालान किए गए है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार ट्रिपल राइडिंग 777 चालान, गलत साइड ड्राइविंग के 107 चालान, गलत स्थान पर पार्किंग के 394 चालान,गाडी पर ब्लैक फिल्म व ब्लैक शीशे के 27 चालान, नियमों की पालना ना करने पर स्कूल बसों के 14 चालान, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट ना होने पर 897 चालान, रेड एवं ब्ल्यू लाइट के 12 चालान व अन्य 569 चालान किए गए है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि गाड़ी चलाते और पार्किंग करते समय नियमों की पालना करे ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

घरौंडा में नहीं रुकी रोडवेज बस, पानीपत टोल पर उतारे कॉलेज स्टूडेंट

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज़

घरौंडा, 4 फरवरी। घरौंडा बस स्टैंड पर हरियाणा रोडवेज की बस नहीं रोकने और कॉलेज स्टुडेंट को पानीपत टोल पर उतारने का मामला सामने आया है। जम्मू से दिल्ली जा रही रोडवेज बस में सवार छात्र ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। छात्र को घरौंडा में नहीं उतारे जाने से परिवार में गुस्सा है। परिजनों का कहना है कि कंडक्टर ने गलत व्यवहार किया। मामले को लेकर घरौंडा बस स्टैंड इंचार्ज और केबिनेट मंत्री अनिल विज को शिकायत देने की तैयारी की जा रही है।

शेखपुरा खालसा गांव का अतुल करनाल के सरकारी कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। बुधवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वह हरियाणा रोडवेज की जम्मू-दिल्ली बस में करनाल से सवार हुआ। उसके साथ घरौंडा का एक अन्य युवक भी था। अतुल के पास हरियाणा रोडवेज का बस पास था। करीब एक बजे बस घरौंडा पहुंची और बस स्टैंड की बजाय फ्लाईओवर पर चढ़ने लगी। इस पर छात्र ने बस रोकने की बात कही, लेकिन कंडक्टर ने मना कर दिया और बहस शुरू हो गई। स्टुडेंट नीलोखेड़ी में बस रोकने और वहां सवारियां बैठाने पर भी सवाल उठाता है, जिस पर कंडक्टर ब्रेकडाउन की सवारियां होने की बात कहता है। अतुल के पिता वीरेंद्र सिंह ने बताया कि रोडवेज का पास होने के बावजूद बच्चे को परेशान किया गया। अतुल ने कंडक्टर से फ्लाईओवर पर ही उतारने की गुजारिश की थी, लेकिन वहां भी बस नहीं रोकी गई।

विदेशी ताकतों के हाथों देश को बेचने वालों की कुर्सी छीन लेंगे किसान : रतन मान

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

करनाल, 4 फरवरी। भारतीय किसान यूनियन (हरियाणा) के प्रदेश अध्यक्ष रतन मान ने अमेरिका के साथ किए जा रहे कथित कृषि उत्पाद समझौते को भारतीय किसानों की पीठ में छुरा घोंपने जैसा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह डील देश के अन्नदाताओं को बर्बाद करने और खेती को कॉरपोरेट घरानों के हवाले करने की साजिश है। रतन मान ने तीखा बयान देते हुए कहा कि सरकार विदेशी दबाव में आकर देश के किसानों की रोज़ी-रोटी बेचने पर तुली हुई है। अमेरिका जैसे देशों में किसानों को भारी सब्सिडी, आधुनिक मशीनें और बड़े पैमाने पर उत्पादन की सुविधा मिलती है। अगर ऐसे देशों के सस्ते कृषि उत्पाद भारत में खुलकर आने लगे, तो भारतीय

किसान अपनी फसल का लागत मूल्य भी नहीं निकाल पाएंगे। उन्होंने कहा~ ÷यह समझौता नहीं, बल्कि भारतीय किसानों के खिलाफ आर्थिक हमला है। इससे मंडियां बर्बाद होंगी, एमएसपी व्यवस्था कमजोर होगी और खेती पूरी तरह निजी कंपनियों के कब्जे में चली जाएगी।÷ रतन मान ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मुद्दे पर न तो किसान संगठनों से बात की और न ही संसद में खुली चर्चा करवाई। उन्होंने कहा कि यह फैसला लोकतंत्र की भावना के खिलाफ और किसानों के साथ खुला धोखा है।

उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर सरकार ने यह किसान विरोधी समझौता तुरंत रद्द नहीं किया, तो भारतीय किसान यूनियन सड़कों से लेकर संसद तक बड़ा आंदोलन छेड़ेगी। देशभर के किसान ट्रैक्टरों के साथ सड़कों पर उतरेंगे और सरकार को यह फैसला वापस लेने पर मजबूर करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह केवल व्यापार का मुद्दा नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और करोड़ों किसान परिवारों के अस्तित्व का सवाल है। विदेशी कंपनियों के फायदे के लिए देश के किसानों की कुर्बानी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। अंत में रतन मान ने कहा~÷देश का किसान जाग चुका है। अब दिल्ली की कुर्सियों पर बैठे लोग तय कर लें – वे विदेशी कंपनियों के साथ खड़े हैं या देश के अन्नदाताओं के साथ।

श्री जयराम विद्यापीठ में किया जा रहा है गायत्री मंत्र जाप

कुरुक्षेत्र। श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से ब्रह्मसरोवर के तट पर श्री जयराम विद्यापीठ में नियमित गायत्री मंत्र जाप विद्वान ब्राह्मणों एवं ब्रह्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। नियमित गायत्री मंत्र जाप करवा रहे आचार्य प. प्रतीक शर्मा ने बताया कि गायत्री मंत्र एक ऐसा मंत्र है, जिसका जाप करने से हर प्रकार के बंधनों से मुक्त हो कर सर्वकल्याण की प्राप्ति होती है। यदि साधक पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ यह मंत्र जाप व साधना करें, तो वांछित फल की प्राप्ति की प्रबल संभावना रहती है।

आचार्य प्रतीक ने बताया कि 9 फरवरी को मंत्र जाप का समापन होगा तथा हवन होगा। इस मौके पर केके कौशिक, टेक सिंह लोहार माजरा, कुलवंत सैनी, सुरेंद्र गुप्ता, खरैती लाल सिंगला, राजेश सिंगला, यशपाल राणा, केसी रंगा, सतबीर कौशिक, रोहित कौशिक इत्यादि सहित श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

स्वर्गीय सारिका भाटिया चेरिटेबल ट्रस्ट ने मनाया स्मृति सेवा संकल्प दिवस, किसी मेधावी बच्चों को सम्मानित

सारिका भाटिया एक संवेदन शील समाजसेवी और शिक्षा की मिसाल थी : मेहता

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज़

करनाल, 4 फरवरी। सारिका भाटिया चैरिटेबल ट्रस्ट (रजिस्टर्ड), मॉडल टाउन करनाल की ओर से बुधवार को स्वर्गीय श्रीमती सारिका भाटिया की पुण्य स्मृति में स्मृति (सेवा संकल्प) दिवस का भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन रघुनाथ मंदिर सभागार, सदर बाजार करनाल में किया गया। यह कार्यक्रम ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष समाज सेवा, शिक्षा प्रोत्साहन एवं सांस्कृतिक चेतना के उद्देश्य से नियमित रूप से आयोजित किया जाता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों की सामूहिक प्रार्थना 'इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो ना' से हुआ, जिसने पूरे सभागार को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके पश्चात बच्चों ने देशभक्ति गीत 'देश मेरा रंगीला' सहित अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को

मंत्रमुग्ध कर दिया और देशप्रेम की भावना को सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य के अंतर्गत इस वर्ष रघुनाथ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चार मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें कक्षा दसवीं की सानिया एवं खुशी कुमारी, जबकि कक्षा बारहवीं के भूपेंद्र एवं बॉबी शामिल रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने का यह प्रयास स्वर्गीय सारिका भाटिया को सच्ची श्रद्धांजलि है।

इस अवसर पर मंच से यह भी जानकारी दी गई कि सरिका भाटिया चैरिटेबल ट्रस्ट को उसकी निरंतर सेवाओं एवं सामाजिक योगदान के लिए देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का शुभकामना संदेश ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुआ है, जिसे कार्यक्रम के दौरान सभी के समक्ष पढ़कर सुनाया गया।

कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में 'मिले सुर हमारा तुम्हारा' समूह के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। सोनिया चोपड़ा ने 'सत्यम शिवम सुंदरम', सी.ए. प्रवीण मित्तल एवं भाटिया भाटिया ने 'आदमी मुसाफिर है', अरुण कांत ने 'मधुबन खुशबू देता है', सतीश चावला ने 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार' तथा वनीत भाटिया ने 'जाने कहां गए वो दिन' जैसे सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें पूर्व मंत्री शशिपाल मेहता, मंदिर कमेटी प्रधान बलदेव खेत्रपाल, प्रवेश शर्मा, संजय बठला, कृष्ण लाल तनेजा, विनोद खेत्रपाल, महेश चावला, सुरेंद्र बाबा, के.एल. अरोड़ा, अनिल भाटिया, सतपाल खेत्रपाल, अमित आहूजा, राखी तनेजा, राजेंद्र रामा मदान सहित शहर की अनेक प्रमुख हस्तियां शामिल रहीं।

कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन रंगकर्मी पवन शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे आयोजन को एक सूत्र में पिरोते हुए संतुलित और सशक्त प्रस्तुति दी। समापन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं अतिथियों को लंगर प्रसाद एवं भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों – विजय भाटिया (मुख्य संरक्षक), डा. आकांक्षा भाटिया (अध्यक्ष), डा. सार्थक भाटिया (उपाध्यक्ष), सी.ए. प्रवीण मित्तल (विधिक सलाहकार), राजेश भाटिया (कोषाध्यक्ष), सोनिया चोपड़ा (महासचिव), अलिप्त भाटिया (समन्वयक) एवं वीरेंद्र चोपड़ा (प्रकल्प प्रमुख) – की सक्रिय उपस्थिति एवं सहभागिता रही।

अंत में सारिका भाटिया चैरिटेबल ट्रस्ट परिवार की ओर से सभी अतिथियों, कलाकारों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इसी भावना के साथ सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया।

10वीं के छात्रों की विदाई पार्टी आश्मी जैन बनीं मिस दीक्षांत

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़। दीक्षांत ग्लोबल स्कूल में कक्षा 10वीं के छात्रों के लिए यादगार विदाई पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों का जोश और उत्साह देखते ही बनता था। कक्षा 9वीं के छात्रों और स्कूल प्रशासन की ओर से आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में कुल 110 छात्रों ने शिरकत की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा मिस दीक्षांत का ताज, जिसे कक्षा 10वीं की छात्रा आश्मी जैन ने अपने नाम किया। इस खिताब के साथ ही समारोह में खुशियों का माहौल छा गया और तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। यह शानदार आयोजन होटल बेस्ट वेस्टर्न मैरीलैंड में हुआ, जहां छात्रों ने नाच-गाने, परफॉर्मेंस और भावुक पलों के साथ अपने स्कूल जीवन को याद किया।

मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन मितुल दीक्षित और गरिमा दीक्षित ने शिरकत की। मितुल दीक्षित ने कक्षा

10वीं के छात्रों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे पूरे मनोबल से आगे बढ़ें।

स्कूल परिवार ने इस विदाई को एक भावुक अलविदा और नए सफर की शुरुआत के रूप में याद किया। कक्षा 10वीं के सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। स्कूल के इस कार्यक्रम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां शिक्षा के साथ-साथ भावनाओं और यादों को भी उतना ही महत्व दिया जाता है।

जितना ध्यान लोग सोशल मीडिया पर देते हैं, फैमिली पर भी दें

बॉलीवुड में शाहिद कपूर की शुरुआत साल 2003 में एक लवर बॉय के तौर पर इश्क विश्क से हुई थी। इंडस्ट्री में आम तौर पर एक्टर्स का एक इमेज में बंध जाना जहां स्वभाविक की समस्या बन जाती है, वहीं हरफनमौला शाहिद ने इस बंधन को मानने से इनकार कर दिया। पर्दे पर उन्हें जब वी मेट और विवाह में निहारने वाले दर्शक तब दंग रह गए, जब कमीने, हैदर, कबीर सिंह में उनका इन्टेंस अवतार दिखा। अब वह विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में एक गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। आप चाहे उनके फैन हो या नहीं, लेकिन उनकी अदाकारी के ग्राफ की तारीफ हर कोई करता है। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही शाहिद एक फैमिली मैन भी हैं। बातचीत में उन्होंने करियर और निजी जीवन के बीच के संतुलन, पैरेंटिंग, शादी, परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिकाओं, और ओ रोमियो पर बात की है।

अपने परिवार को पॉजिटिव सोच देनी चाहिए

शाहिद कपूर एक बेहतरीन पिता भी हैं। वह मीशा और ज़ैन के प्यारे पापा हैं। आज के दौर में वह बच्चों को वह किस तरह के वैल्यूज देना चाहेंगे? इस सवाल पर एक्टर कहते हैं, 'इस पर तो किताब लिखी जा सकती है। मुझे लगता है कि आपके परिवार के जो मूल्य हैं, वह आपके बच्चों में होने चाहिए। बच्चों को हमेशा पॉजिटिव एनर्जी देनी चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे और यंगस्टर्स बहुत समझदार हो गए हैं। आजकल के बच्चे हर चीज के लिए बहुत ज्यादा सोचते हैं और नकारात्मक पहलुओं की तरफ उनका फोकस ज्यादा है, तो ऐसे में उन्हें पॉजिटिव सोच देना बहुत जरूरी है। उन्हें बताना जरूरी है कि हम इन फैमिली वैल्यूज में विश्वास करते हैं। बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार देने की जरूरत है, एक कनेक्शन स्थापित करना, उनसे कम्युनिकेट करना बेहद आवश्यक है।'

बच्चों पर अपने सपने ना थोपें

शाहिद से जब पूछा गया कि वह अपने बच्चों को किस चीज से बचाना चाहेंगे? तो जवाब मिला, 'मुझे लगता है कि मां-बाप को अपने बच्चों को अपनी ख्वाहिशों और महत्वाकांक्षाओं से बचाना चाहिए। बच्चों पर अपने सपने न थोपें। ऊपर वाले ने उन्हें अपनी एक यात्रा पर भेजा है और बच्चों को उस सफर पर जाने दें।'

शादी में एक-दूसरे को वक्त देना बहुत जरूरी है

पत्नी मीरा राजपूत के साथ बॉन्डिंग के बारे में शाहिद कहते हैं, 'मैं हमेशा कहता हूं कि शादी डेली वर्क है। अपनी शादी देखकर हर किसी को लगता है कि दूसरे की शादी अच्छी है, पर ऐसा नहीं होता। जिस तरह से आप आज इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर फोकस करते हैं, उसी तरह से अपनी रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना जरूरी है। जब आप अपने पार्टनर पर ध्यान देते हैं और उसे इज्जत देते हैं, तो वह सामने वाले को भी महसूस होता है। शादी में पार्टनर को वक्त और सम्मान देना बहुत आवश्यक है। मैं-मीरा ये ही कोशिश करते हैं।'

आप तभी ट्रांसफॉर्म होते हैं, जब खुद को चुनौती देते हैं

शाहिद कपूर ने लवर बॉय से अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर इंटेंस और टफ भूमिकाओं में नजर आए। इस ट्रांसफॉर्मेशन पर वह कहते हैं, 'आप ट्रांसफोर्म तभी हो पाते हैं, जब आप रिस्क लेना या खुद को चुनौती देना शुरू करते हैं। इससे आप मुश्किल भूमिकाएं कर पाते हैं और फिर उस सफर का आनंद उठाने लगते हैं। जब लोग उस चीज को देखते हैं और पसंद करते हैं, तब वे उस तरह के रोल्स का प्रस्ताव आपके पास लाने लगते हैं और एक सिलसिला चल निकलता है।

ओ रोमियो डरावनी भी है, रोमांटिक भी, इमोशनल भी

शाहिद आगे कहते हैं, अब विशाल सर के साथ ही ओ रोमियो मेरी चौथी फिल्म है। ये नब्बे के गैंगस्टर की प्रेम कहानी है और सभी जानते हैं कि विशाल भारद्वाज की फिल्मों की दुनिया थोड़ी अनोखी और अजीब होती है। फिल्म के अंदर एक ड्रामा है, पर यह फिल्म थोड़ी क्विर्की है। ये एक ही साथ में डरावनी भी है, रोमांटिक भी और इमोशनल भी।'

प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास के बाद क्या करेंगे अरिजीत सिंह

क्या 38 साल के सिंगर अरिजीत सिंह अब शांत और गांव जैसी जिंदगी में लौट रहे हैं? बुधवार को यही सवाल सबके मन में था। एक दिन पहले उन्होंने एलान किया कि वे प्लेबैक सिंगिंग से आधिकारिक रूप से रिटायर हो रहे हैं, लेकिन संगीत से नहीं। कई सेलेब्स ने अरिजीत के लिए पोस्ट शेयर किए हैं

सिंगर सोना मोहपात्रा

सिंगर सोना मोहपात्रा ने लिखा, प्लेबैक सिंगिंग से दूर जाना आजादी और नई संभावनाओं की ओर कदम है। मुझे यकीन है कि उनके कारण निजी और सही हैं। वे खुद के लिए जगह बना रहे हैं, नए गाने अपनी शर्तों पर बनाने के लिए। इससे नई आवाजों को मौका मिलेगा।

नीना गुप्ता

अभिनेत्री नीना गुप्ता ने कहा, पहले चौंक गई, लेकिन यह बहादुरी है। कभी-कभी हम एक ही रास्ते पर फंस जाते हैं। वे संगीत सीखना चाहते हैं, जो अच्छा है। हम उन्हें मिस करेंगे, लेकिन शायद कुछ नया लेकर आएंगे।

अरिजीत का संगीत करियर

अरिजीत का संगीत करियर तेजी से ऊपर चढ़ा। 2005 में रियलिटी शो फेम गुरुकुल से शुरू किया। 2011 में मर्डर 2 का फिर मोहब्बत से प्लेबैक डेब्यू किया। आशिकी 2 का तुम ही हो ने उन्हें स्टार बनाया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। आखिर अब अरिजीत क्या करने वाले हैं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह फिल्म निर्माता बनेंगे?

अरिजीत के हिट गाने

अरिजीत ने अगर तुम साथ हो, गेरुआ, चन्ना मेरेया, ऐ दिल है मुश्किल, बुल्लेया, जालिमा, गलती से मिस्टेक, ऐ वतन, मस्त मगन, केसरिया, अपना बना ले, झूमे जो पठान, तुम क्या मिले, वे कमलेया, चलेया और गहरा हुआ जैसे कई गानों से दिल जीता है। अरिजीत एक्टर शाहरुख से लेकर सलमान, आमिर, अक्षय और रणबीर जैसे सितारों के लिए पसंदीदा आवाज बने।

25 साल के फिल्मी सफर की चुनौतियों पर बोलीं एक्ट्रेस श्रिया सरन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। इतने लंबे सफर के बाद उनका नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अलग-अलग भाषाओं और सिनेमा के दौर को करीब से देखा है। श्रिया सरन ने बातचीत में अपने करियर, फिल्मी दुनिया में आए बदलाव और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे प्री-सोशल मीडिया दौर से लेकर आज के डिजिटल युग तक इंडस्ट्री पूरी तरह बदल चुकी है। खास बातचीत में श्रिया सरन ने सबसे पहले फिल्म सेट्स पर आए तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब शूटिंग का माहौल बिल्कुल अलग था। उस समय लाइट्स बहुत तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार परेशानी भी होती थी। कैमरे भी भारी और सीमित तकनीक वाले होते थे। कलाकारों को सेट पर इंतजार करना पड़ता था और कैमरे के चलने की आवाज सुनकर ही पता चलता था कि शूटिंग शुरू हो गई है। उस दौर में सब कुछ ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था।

श्रिया ने कहा, आज हालात काफी बदल चुके हैं। तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा आरामदायक बना दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स होती हैं जो आंखों पर असर नहीं डालतीं। कैमरे पहले से ज्यादा आधुनिक और हल्के हो गए हैं, जिससे शूटिंग आसान और तेज हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से बेहतर हो गया है। या सरन ने कहा, पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से डील करना पड़ता था, लेकिन अब पूरा सिस्टम बदल चुका है। आज एजेंसियों का दौर है, जहां कलाकारों को कई लोगों से बात करनी होती है। नई पीढ़ी के लोग नई तरह की जानकारी और सोच लेकर आते हैं। वे ऐसी चीजें जानते हैं, जो पुरानी पीढ़ी को नहीं पता होतीं। ऐसे में बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव पर बात करते हुए श्रिया ने कहा, इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है और कभी इंसान खुद को बहुत अकेला या कमजोर महसूस करता है। इन मुश्किल दिनों से निकलने के लिए अपने आसपास ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपका साथ दें और आपको संभालें। सही लोग और सकारात्मक माहौल ही आपको आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। श्रिया सरन ने अपने लंबे और सफल करियर का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी निर्देशकों और सह-कलाकारों की देन हूं, जिनके साथ मैंने काम किया है। हर फिल्म और हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। अगर सही लोग और टीम का सहयोग न मिला होता, तो यह सफर इतना आसान और सफल नहीं होता।

फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की एक्सपायरी डेट होती है

एक्ट्रेस मोना सिंह फिल्म बॉर्डर 2 की कामयाबी को लेकर खुश हैं। वह जल्द ही कोहरा के दूसरे सीजन में नजर आने वाली है। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर का चैलेंजिंग रोल निभा रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार और फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी उम्र के कलाकारों के बारे में बात की है।

स्क्रीन पर बूढ़ी क्यों दिखती हैं मोना?

बातचीत में मोना सिंह ने 40 की उम्र में भी स्क्रीन पर 50 और 60 साल के किरदारों को निभाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैंने अपनी ऑन-स्क्रीन उम्र की परवाह नहीं की है, क्योंकि मैं बहुत कॉन्फिडेंट हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है, इसलिए मैं रिस्क लेती रहती हूं। लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं, आप स्क्रीन पर इतनी बूढ़ी क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह वह किरदार है जिसे मैं निभा रही हूं और यह मुझे सच में एक्साइट करता है।

60 की उम्र में पुरुष करते हैं रोमांटिक रोल

एक्ट्रेस ने माना कि इंडस्ट्री में लोग बड़ी उम्र के एक्टर्स को अच्छे रोल देने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ इसी इंडस्ट्री में होता है कि महिलाओं की एक एक्सपायरी डेट होती है। यह बहुत दुख की बात है। 60 साल के पुरुष अभी भी रोमांटिक लीड रोल कर सकते हैं, जबकि महिलाएं नहीं कर सकतीं। मैंने कभी इस बारे में ज्यादा परवाह नहीं की।

बॉर्डर 2 में मोना का किरदार

आपको बता दें कि मोना सिंह ने 23 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल की पत्नी का किरदार निभाया है। इसके लिए उनकी काफी तारीफ हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है।

कब रिलीज होगी कोहरा 2

मोना ने कोहरा सीजन 2 का हिस्सा बनने को एक बहुत बड़ा सम्मान बताया। दूसरे सीजन में, वह धनवंत कौर का रोल निभा रही हैं। कोहरा 2 11 फरवरी को रिलीज होगी।

पुलकित सम्राट ने ग्लोरी के साथ नए लीग में रखा कदम

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है। पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com